

फर्द अहकाम

(नियम 26)

अज अदालत न्यायालय सहा मुकाम राशमी  
 शोपाल सिंह बनाम रम सिंह  
 किस्म मुकदमा 251 का नं. 208 सन् 2008

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व त अहकाम ज हुकम की त में जारी
18/10/08	<p>प्राथमिक प्रशासन जॉर्ज के पत्र डिसेम्बर-2008              शिबिर भडाना में तहसीलदार राशमी के              पत्र/शजाख/202/SP-1 दिनांक 18/10/08 से              पेश हुआ जिस पर शरजुल हक किम्य              राशमी तहसीलदार राशमी ने निवेदन किया              कि प्राथमिक शोपाल सिंह पिता कालु सिंह              चौधन एवं रम सिंह पिता कालु सिंह चौधन              नि:चयनी अपनी स्वयं की शक्ति द्वारा              सन 410/4 एवं 410/5 में आपसी सहमति              से शजाख शजाख रिकार्ड में एक करवाया              जा चुका है। उक्त दोनों पक्ष आपसी सहमति              से शजाख शजाख रिकार्ड में एक करवा              जा चुका है। कि कोई भी आपसी नहीं है।              जिस दिन तहसीलदार राशमी द्वारा अपनी              अनुशंसा की गई है। रम सिंह का अर्पण              किया। मंगल किया। तहसीलदार राशमी द्वारा              प्रस्तुत सिविल का अर्पण किया। तहसीलदार              राशमी द्वारा मौखिक निवेदन किया गया।              दोनों पक्षकारों द्वारा भी सहमति प्रकार              की गई की शजाख रिकार्ड में शजाख              एक किया जा चुका है। कि कोई आपसी              नहीं होगी। ऐसी दिवसी में न्यायालय              आदेश देता है कि मौजा चयनी पर              प्रस्तुत पत्र/शजाख/202/SP-1 दिनांक 18/10/08</p>	<p>251              208</p>



तारीख  
हुकम

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर व  
अहकाम  
हुकम की  
में जारी

के रूप में लिया जावे। पतावेक मोबा  
लिफोन के अनुभव शान्त नब्बे में अति-  
शुद्ध तरीक की जावे। व्यावसी की  
शानत निर्मित इतान की आकर वक्त  
अवश्यक कार्यवाही अतिशय शान्त तरी  
जावे। निर्णय खुले मनके आत प्रशासन  
मोबा के लगे अतिशय- १००१ के रूप में आकर  
के भाव दिनांक 18/10/2024 को अनुभव  
जाकर लिखवत १। ११।

(नीता बरीटा)  
सहायक कलेक्टर  
(उपस्थापक अधिकारी)  
राशमी